

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव हेतु आई.टी.एम. छात्रों का प्रशिक्षण रिपोर्ट।

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव हेतु आई.टी.एम. के बी.एस.सी. ऐ. जी. फाईनल के छात्रों का प्रशिक्षण हेतु प्रथम दो दिवस शैक्षणिक प्रशिक्षण वृद्धा आश्रम के सभागार में किया गया। जिसमें रूट चार्ट बनाया गया व 3 गुप बनाये गये। तथा अतिथि विद्वान सेंट्रल बैंक से श्री द्रुगेन्द्र सिंह जादौन एवं एन.जी.ओ. काउन्सलर श्री हरिशरन अवस्थि और ग्रामीण कृषि के विद्वान श्री द्वारिका प्रसाद जी द्वारा उदबोधन दिये गये। यह प्रशिक्षण एक अभियान की तरह चलाया गया जिसमें संस्था द्वारा कैसे विकास हुआ वह बताया गया। तथा रिपोर्ट हेतु फॉर्मेट भरवाये गये। जन भागीदारी के लिए जागरूकता अभियान दिनांक 20.07. 2017 से 20.08.2017 तक चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संस्था द्वारा बीहड़ किनारे के गाँव पिपरई, पिपरईपुरा, विण्डवा, मसूदपुर, भानपुर, जैतपुर में ग्रामीण युवाओं एवं आई.टी.एम. कॉलेज ग्वालियर के बी.एस.सी. ऐ.जी. के छात्रों ने रैलीयों का आयोजन किया। रैली के बाद में जन सभा की गयी एवं वृक्षा रोपण किया। सभा में बढ़ता बीहड़ घटती उपजाऊ भूमि के कारण लोग भूमिहीन एवं वेधर होकर पलायन कर रहे हैं उसी को रोकने का प्रयास संस्था का है इसी विषय में संस्था अध्यक्ष द्वारा बताया गया।

1 मुरैना, भिण्ड और श्योपुर में 1,05,276.402 हेक्टेयर भूमि बीहड़ में परिवर्तित हो चुकी है। जिसमें गुग्गुल, ग्वारपाटा गिलोह, सतावर, इन्नी (अगनीमंथ), वांस, प्रोजेक्ट के तहत लगाये जाएं जिससे गरीबों की आजीविका चले। ऐसा हमारा सुझाव है।

कृषि भूमि को बचाने के लिए इस वर्ष सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा ग्राम मसूदपुर में 1500मी० डोरबन्दी कराई गई है। व ग्राम विण्डवा चम्बल में पिछले वर्ष 15,00मी० डोरबन्दी व 10 पक्की जल निकास नालियां तथा दो स्टॉपडैम सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा जैफ/एस.जी.पी. परियोजना के तहत जन सहयोग से बनाये गये हैं। इसे देखकर किसान खुद भी इस कार्य को करने लगे हैं। जिससे 336 हेक्टेयर उपजाऊ भूमि बीहड़ कटाव से बची। तथा भूमि कटाव एवं जल संरक्षण के लिए ये वरदान साबित होंगे।

सुजाग्रति समाज सेवी संस्था द्वारा गुग्गुल का अस्तित्व बचाने और इसे आजीविका का साधन बनाने हेतु इस वर्षाकाल में 10,000 गुग्गुल के पौधा रोपण किया गया। तथा 10,000 गुग्गुल के पौधे जो कि प्राकृतिक रूप से बीहड़ में हैं उनका संरक्षण जैव विविधता प्रबंधन समितियों द्वारा कैसे हो रहा है यह भी बच्चों को दिखाया व समझाया गया।

गुग्गुल सतावर, चनयी, चपरा आदि लघुवनोपजों का संस्था द्वारा संरक्षण एवं संवर्धन किया गया जो देखा इनके द्वारा कैसे गरीब लोग अपनी आजीविका चला रहे हैं यह भी बच्चों द्वारा समझा व अनउपयोगी बीहणी भूमि का कैसे सदुपयोग किया जाये ये भी जाना। तथा छात्रों द्वारा ग्रामों में वृक्षा रोपण कार्य भी किया।



ग्राम पिपरई में जानकारी लेने हेतु प्रस्थान करते हुए छात्र।



ग्राम पिपरई में ग्रामीण अनुभव लेते हुए एवं वृक्षा रोपण करते हुए छात्र।



बाबा देवपुरी पर वृक्षा रोपण करते हुए।

अध्यक्ष
सुजाग्रति समाज सेवी
संस्था मुरैना म० प्र०